(c) A statement showing the allocations proposed to be made to States for the current year is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-4287/65].

12.01 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED HEAVY COCENTRATION OF CHINESE TROOPS NEAR BARAHOTI

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्नलिखित विषय की ओर प्रतिरक्षा मंत्री का ध्यान दिलाता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :

"बाराहोती के निकट चीनी सेना के भारी जमाव के समाचार ।"

The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan): Mr. Speaker, Sir, the House is aware that Chinese troops are concentrated along our northern borders. I mentioned some time ago that 13 to 16 Chinese Divisions with ancillary units and other troops were so deployed. Their strength is and has bene for some time greater than the troops deployed by them for their aggression in October-November, 1962. The House will not, I am sure, expect me to reveal the exact deployment of Chinese troops at each point. I can, however, assure the House that the reported concentration of five Chinese Divisions opposite Barahoti is greatly exaggerated. We have received no report either, that the Chinese have constructed an airstrip near Barahoti. It is known, however, that they have built a number of modern airfields, improved others and constructed emergency landing strips in various other areas of Tibet.

It is not true that Chinese or Pakistani agents are working in the Barahoti area leading to panic among the local population. Nor is it true that large numbers of people have already fled from this area. Barahoti is a small pasture-ground of one and a half square miles which is not inhabited, but even as regards the population of the surrounding areas, there is no panic and this part of the report is entirely incorrect.

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार सदन को यह जानकारी देने की कृपा करेगी कि भारत की उत्तरी सीमा पर, जिस में बाराहोती भी शामिल है, जो चीनी सेनाओं का जमाव हुआ है उसकी संख्या कितनी है, और क्या उस सेनाओं के जमाव का कच्छ में पाकिस्तान द्वारा जो आक्रमण हो रहा है उस से भी कुछ सम्बन्ध है । साथ ही क्या यह जानकारी सरकार को विलम्ब से मिली है और जनता को भी काफी विलम्ब से यह जानकारी दी गई है ।

Shri Y. B. Chavan: I think I have mentioned some of these points here about the news of the concentration of troops to the extent which has been mentioned in the report.

Mr. Speaker: The only thing that remains to be answered is whether there is any connection between this concentration and the attack made by the Pakistani troops in Kutch.

Shri Y. B. Chavan: Generally I would say that the concentration of Chinese troops is there for some time now. What is happening on the other Pakistan border certainly will have to be read together. It is a question of drawing our own inferences and making an assessment of the situation. And we are making an assessment of it from time to time.

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय, मैं ने दूसरा प्रश्न भी पूछा था कि क्या हमारी सरकार को विलम्ब से जानकारी मिली है सेनाओं के जमाव, की, और हमारी

[श्री हुकम चन्द कछवाय]

सरकार ने काफी देर से जनता को उसे बतलाया है। यदि हां, तो इस का क्या कारण है? हमारे काम में कोई त्रुटि है या क्या कारण है जिससे यह जानकारी हमको देर से मिली है?

श्री यशवन्तराव चह्वाण : इस में कहीं देरी नहीं हुई है।

Shrimati Renuka Barkataki (Barpeta): May I know whether the heavy concentration of Chinese divisions in this Barahoti region presages another effort by the Chinese to alter the line of actual control to their advantage by quick military movement in this region, availing themselves of the advantage and the cover offered by Pakistan through their diversionary activities and, if so, whether the Government is taking steps to forestall and meet such a move on this sector?

Shri Y. B. Chavan: As I said, it is not only the particular concentration at Barahoti but the concentration of Chinese troops all along the border, and we have certainly taken note of this fact for some time now.

श्री बागड़ी (हिसार): चीन के सवाल को लेकर के भारत की जनता उठी थी। किसी मुल्क की जनता के लिये अपने मुल्क की हिफाजत करने के लिये उस के मन का उत्साह बड़ा जरूरी है, और वह तभी हो सकता है जब कि जनता के सामने सरकार की नीति साफ तौर से आये, जैसे कि चीन के खिलाफ हमारे ताल्लुक दुश्मनी के हैं। जब एक तरफ चीन के दूतावास का . . .

अध्यक्ष महोदय : अब आप सवाल कब करेंगे?

श्री बागड़ी: मैं जरा भूमिका से बतलाना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय : इतनी लम्बी नहीं होनी चाहिये।

श्री बागड़ी : मैं कोई खतरे की बात नहीं कह रहा हूं, मैं कानून के खिलाफ नहीं बोल रहा हूं। मैं अपनी बात बोल रहा हूं इस वास्ते कि मंत्री महोदय समझ सकें और जवाब दे सकें।

अध्यक्ष महोदय : वह बतला देंगे आप सवाल करें। (*Interruptions*)

डा० राम मनोहर लोहिया : (फर्रुखाबाद) अध्यक्ष महोदय, जब अंग्रेजी में होता है तो सब काम ठीक रहता है। यह क्या बात है?

श्री बागड़ी : मैं जरा समझा दूं, नहीं तो अगर मोटी बात कहूंगा तो उस का जवाब दिया जायेगा कि कानूनी तौर पर नहीं आई है। अब कानून की भाषा में बोल रहा हूं।

जिस तरह से हिन्दुस्तान की जनता समझती है कि चीन की सरकार हमारी दुश्मन है, लेकिन चाऊ एन लाई आजादी के साथ हिन्दुस्तान की हवा में परवाज करे, या अगर नेपाल में कोई भोज हो तो उस के साथ हमारे लोग खाना खायें, या अगर कहीं दुनिया के किसी मुल्क के ऊपर कोई लड़ाई हो जिसकी चीन मदद करे तो हम उस का पक्ष लें . .

Shri Raghunath Singh (Varanasi): Is it a short speech or a question, Sir?

श्री बागड़ी : मैं जानना चाहता हूं कि यह सरकार जो उस की दुविधा वाली नीति है उस को छोड़कर जैसा सब जनता चाहती है वैसी साफ नीति खुद बनाने के लिये तैयार है या नहीं, चीन के कटु सम्बन्धों के बारे में जो हमारी नीति है जो उसे साफ करने को तैयार है या नहीं . . .

अध्यक्ष महोदय : मंत्री महोदय की समझ में कुछ आया ?

श्री यशवन्तराव चह्वाण : जी, नहीं ।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, तभी तो यह देश डूब रहा है । आप की समझ में कुछ नहीं आता ।

अध्यक्ष महोदय : इस बात पर नहीं । आप ने जो इतना लम्बा भाषण दिया उस की वजह से इस के समझ में आने में तकलीफ होती है । अगर आप सीधा सवाल करते तो बिल्कुल समझ में आ जाता । बोली तो हम समझ रहे हैं, लेकिन आप ने अपनी बात को इतना लम्बा किया और दूसरी चीजें ले आये जैसे कि चाऊ एन लाई जब ऊपर उड़ता है तो हम उसे इजाजत देते हैं, जब भोज होता है वगैरह वगैरह । इस के मुताल्लिक बिल्कुल सप्लिमेन्टरी नहीं आ सकती, बागड़ी साहब । आप माना भी तो करें । अपनी जिद्द पर ही क्यों चलते हैं ?

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, तो क्या मेरे सवाल का जबाब नहीं आयेगा ?

अध्यक्ष महोदय : नहीं, साहब ।

श्री बागड़ी : मैं ने यह सवाल किया था कि क्या . . .

अध्यक्ष महोदय : अगर आप नीति बदलना चाहते हैं तो किसी और तरीके से कीजिये ।

श्री बागड़ी : पूछने तो दीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर ।

श्री बागड़ी : कालिंग अटेंशन का जवाब क्या सप्लिमेन्टरी होता है ?

अध्यक्ष महोदय : जी, हां । श्री किशन पटनायक ।

श्री बागड़ी : तो फिर क्या सवाल किया जाये, अगर नीति के बारे में हो ?

अध्यक्ष महोदय : यह नहीं बतला सकता मैं । मैंने श्री किशन पटनायक को बुलाया है अगर वह सवाल करना चाहते हैं ।

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, देश की बात को तो सामने आने दें ।

श्री किशन पटनायक (सम्बलपुर) अध्यक्ष महोदय, चूंकि कच्छ या उरवसीअं, जहां कहीं दुश्मनों का हमला होता है और जमीन चली जाती है तो सरकार कहने लगती है कि हम तैयार नहीं थे और सरप्राईज अटैक था, इसलिये मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार यह मान कर चलेगी कि जो हमारी सारी उत्तरी पूर्वी, उत्तरी और उत्तरी पश्चिमी सीमायें हैं, गुजरात, राजस्थान, लद्दाख, काश्मीर, बाराहोती, सिक्किम, उरवसीअं और असम, उन सारी सीमाओं पर किसी भी हिस्से में आक्रमण हो सकता है दुश्मनों का, या सरकार यह मान कर चलेगी कि हर तरह से तैयारी रहेगी । कभी भी अगर दुश्मनों का कामयाब हमला होगा तो हमारे रक्षा मंत्री इस के लिये जिम्मेदार रहेंगे ।

श्री यशवन्तराव चह्वाण : पूरे हिन्दुस्तान की सरहदों की जिम्मेदारी गवर्नमेंट पर है और रक्षा मंत्री ने ली है । (*Interruptions*).

डा० राम मनोहर लोहिया : बहुत जिम्मेदारी निभाई है आप ने ।

श्री बृजराज सिंह (बरेली) : मैं उत्तर प्रदेश का रहने वाला हूं और बदकिस्मती से बरेली का जहां से बाराहोती डेढ़ सौ या पौने दो सौ मील की दूरी पर है । बरेली में . . .

श्री रघुनाथ सिंह : बरेली में पागलखाना भी है ।

श्री बृजराज सिंह : लेकिन यह सवाल पागलों का नहीं है ।

बरेली एरिया आफिस है और बाराहोती से दो सौ मील के अन्दर है। वहां पर आप ने बहुत बड़ा एअरोड्रोम बनाया है जिसे आप **बिगेस्ट इन एशिया** कह कर गर्व करते हैं। वहां से बाराहोती को कनेक्ट करने के लिए जितनी भी सड़कें हैं वह बड़ी कमजोर हैं। वीक कलवर्ट्स उन में हैं। मेरा सवाल यह है कि क्या सुरक्षा मंत्री जो बाकी की लिंक रोड्स हैं, जो बड़े छोटे छोटे बीस बीस और पच्चीस पच्चीस मील के टुकड़े हैं उन को सुरक्षा के नाम पर बनाने के बारे में सोच रहे हैं।

Shri Y. B. Chavan: The Border Roads Organisation takes the responsibility for what we call strategic roads. All the necessary strategic roads are being undertaken for construction. He has mentioned some particular road he has in mind. I have assured him that I will certainly get it examined.

श्री बृजराज सिंह : मेरे दिमाग में जो बात है वह आप के दिमाग में आयी है या नहीं, यह बता दें ।

Shri Y. B. Chavan: He has assured me to write about this particular road. I will get it examined.

Shri Brij Raj Singh: I have written it already.

श्री विश्वनाथ पाण्डेय (सलेमपुर) : माननीय प्रतिरक्षा मंत्री महोदय ने अभी बताया है कि उत्तर प्रदेश के उत्तरी हिस्से में, बाड़ाहोती के समीप, चीनी सैनिकों का काफी जमाव हुआ है और वहां के स्थानों के लोगों के अन्दर आतंक फैल गया है। मैं यह जानना चाहता हूं कि वहां की जो सुरक्षा व्यवस्था उत्तर प्रदेश की सरकार के हाथ में है क्या केन्द्र उस सुरक्षा के भार को अपने हाथ में लेगा ? और चीनी जमाव की वजह से उत्तर प्रदेश सरकार जो बद्रीनाथ के यात्रियों को वहां जाने से मना करती है, उसके बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

Shri Y. B. Chavan: I have denied the fact that there is any panic in that area. The entire question is based on that. Certainly the operational responsibility in that part will be done.

Shri D. C. Sharma (Gurdaspur): Our borders with China are alive; our borders with Pakistan are alive. Evidently there is collusion between the two countries. If these two countries stage some kind of a simultaneous attack on our country, will our country be prepared to face it?

Shri Y. B. Chavan: Of course. (*Interruptions*).

Mr. Speaker: If members remain silent, they would be able to follow the proceedings.

Shri Ranga (Chittoor): He answers in such a nonchalant manner and says "of course". That is why members are surprised.

Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): Is it a fact that the border situation in Barahoti and elsewhere is aggravated by the treacherous activities of some pro-China communists in that area and also by the presence inside the Congress Party and the Government of certain pro-China elements, as evidenced by the speech of the minister of Rajasthan only the other day and if so, what steps are being taken to curb the anti-national activities of such elements inside the Congress Party and outside?

Some hon. Members: Question.

Shri Y. B. Chavan: I must deny this charge of there being any pro-Chinese element either in the government or in the Congress Party. But certainly we are watching with very great care about any anti-national activity to

be found in this area. I am speaking particularly about this area, because we are very much aware of it. We have not found any such anti-national activity in this particular area.

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh): He has apologised to the Assembly there. (*Interruptions*).

Mr. Speaker: How can the proceedings go on if members talk freely in this manner?

Shri Hari Vishnu Kamath: You have to call him to order for butting in like this.

Mr. Speaker: Whenever I ask, I ask every member of this House and not anyone in particular. I have not mentioned any name.

Shri Hari Vishnu Kamath: But you asked us looking in this direction; you did not look in that direction. (*Interruptions*). Their guilty conscience pricks them because I asked that question.

श्री हुकम चन्द कछवाय : यहां क्या हल्ला मचाते हैं ?

श्री बागड़ी : मैं और स्वामी जी नहीं बोले और चाहे कोई बोले ।

अध्यक्ष महोदय : मुझे कोई कदम उठाना पड़ेगा और हाउस से इस बात के लिये सहमति लेनी पड़ेगी । अगर यही होता रहा तो दो ही तरीके हो सकते हैं । एक तो यह है कि मैं रिपोर्टर से कहूं कि जब कोई बिना इजाजत बोलने लगे तो उसको रिकार्ड न किया जाय । इस में कंट्रोल रखना होगा । दिन ब दिन हमारे हाउस की शोहरत गिर रही है, उसके लिए मैं और आप सब जिम्मेवार हैं । न अकेले मैं जिम्मेवारी ले सकता हूं । जब तक सारे मेम्बर साहिबान कोआपरेट न करें, मैं कंट्रोल नहीं कर सकता । अगर एक-एक आदमी बारी-बारी से बोले, तो मैं हर एक को आपारचुनिटी देने को तैयार हूं ताकि फ्री एक्सप्रेशन हो सके । मगर अगर जिस वक्त कोई चाहे आवाज दे, और सवाल पूछे और आपस में गुफ्तगू चले और बहस शुरू हो जाए, तो इस तरह हाउस में काम नहीं हो सकता । यह तो मारकेट प्लेस की बात होगी ।

श्री हरि विष्णु कामत : यह तो मंत्री जी ने शुरू किया, आप उनको ताकीद कीजिए ।

Shri Nath Pai (Rajapur): It was the hon. minister who started it.

Mr. Speaker: Is this the manner in which proceedings should be conducted?

Shri Nath Pai: We are only trying to rectify the record.

श्री बागड़ी : अध्यक्ष महोदय, मैं चुप बैठा हूं ।

अध्यक्ष महोदय : आप चुप बैठे हैं, तो उस के लिये मैं आपको एक सर्टिफिकेट लिख कर देता हूं । जो बोल रहे हैं, इस वक्त मैं उन से कह रहा हूं, आप बोलते हैं तो आप से कहता हूं । आपको तो मैंने कुछ नहीं कहा । मुझे सब तरफ से इस तरह के बरताव की उम्मीद नहीं है । हर एक आदमी को अपने पर कंट्रोल रखना चाहिए । हमारा बाहर मजाक बन रहा है । अखबारों में भी यह बात आ रही है कि हाउस का स्तर गिर रहा है ।

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : यह सरकार की वजह से हो रहा है ।

श्री हरि विष्णु कामत : विरोधी दल इस के लिये थोड़े ही जिम्मेवार है ।

अध्यक्ष महोदय : सब जिम्मेवार हैं ।

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं आपकी इजाजत से कुछ अर्ज कर देना चाहता हूं । एक व्यवस्था का प्रश्न है आपकी व्यवस्था पर ।

अध्यक्ष महोदय : मैंने अपील ी थी वह खत्म हुई । मैं बहस नहीं करता । डाक्टर साहब बैठ जाएं ।

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं बहस नहीं कर रहा । आपको सलाह दे रहा हूं । (*Interruptions*). आप चिल्लाना शुरू करोगे ो मैं भी चिल्लाने में किसी से पीछे नहीं रहूंगा ।

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको इजाजत नहीं दे रहा हूं ।

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं अर्ज कर रहा हूं कि आप दमन ौर शमन में फर्क करना सीखिये ।

Shri P. Venkatasubbaiah (Adoni): The Prime Minister and the Defence Minister had given the heartening assurance that we are in a position to repel both Chinese and Pakistani attacks militarily. May I know whether government has taken to the diplomatic channel also to impress upon the Colombo Powers the undesirability of China concentrating troops in the Barahoti area?

Shri Y. B. Chavan: There is no question of talking with the Colombo Powers about this particular matter.

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): The minister stated that there is concentration of Chinese forces on all the borders. Is it a fact that recently the Chinese forces have concentrated to a large extent near about the Chumbi Valley, which is one of the sensitive places where the Chinese are likely to attack? If so, what steps are being taken by the minister to repulse any attack which comes from the Chumbi Valley?

Shri Y. B. Chavan: Naturally Chumbi Valley area is considered to be a sensitive area. I have myself made the statement during the debate on my ministry's demands. I can assure the House that we have taken all the necessary steps to defend our borders in that sector.

श्री ओंकार लाल बेरवा (कोटा) : छोटी बाड़ाहोती और बड़ी बाड़ाहोती हमारे हैं और उन को आप ने विवादग्रस्त मान कर चीनियों को सौप रखा है । क्या उन से उनको हटाने के बारे में और उनका सामना करने के बारे में भी तैयारी कर रहे हैं ? यह कितनी बड़ी सीमा है जिस पर चीनियों का जमाव है ?

Shri Y. B. Chavan: I have already said that the concentration certainly is to a certain extent beyond Barahoti, on their side of Barahoti.

श्री युद्धवीर सिंह (महेन्द्रगढ़) : जैसा कि अभी सरकार ने बतलाया कि हमारी उत्तरी सीमा पर चीनी फौज का जमाव अधिक मात्रा में बढ़ रहा है तो मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या जब से यानी पिछले तीन, चार महीनों में पाकिस्तान और चीन की आपस में सांठगांठ शुरू हुई है उसके बाद से सरकार ने अपने ढंग से क्या इस बात को अनुभव किया है कि हमारी उत्तरी सीमा पर भी जब से यह पाकिस्तान द्वारा अन्य सीमाओं पर आक्रमण शुरू हुए हैं उत्तरी सीमा पर भी चीनी फौजों का जमाव अधिक बढ़ गया है तो क्या यह जमाव ही वहां पर अधिक बढ़ा है या उनके द्वारा युद्ध उत्तेजक प्रदर्शन भी किये जा रहे हैं ।

Shri Y. B. Chavan: Certainly, we are watching with care all the activities that are going on the other side. I do not think I should be giving more information on this point.

Shri Narendra Singh Mahida (Anand): The Defence Minister stated that various airstrips have been constructed by the Chinese on their side. I have read reports that some helicopters of the Chinese are flying over our territory to obseve our troop movements. May I know whether we

have instructed our troops to shoot down those helicopters when they enter our territory?

Shri Y. B. Chavan: I think those standing orders are there.

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, मेरा इस पर एक व्यवस्था का प्रश्न है । को ईपन्द्रह या बीस दिन पहले इस विषय पर इन्हीं शब्दों में मैंने एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का नोटिस दिया था जिसको कि आपने अस्वीकार कर दिया था । आज मुझे खुशी है कि उसको आपने माना लेकिन चूंकि वर्तमान नोटिस के साथ मेरा नाम नहीं है, मैं जानना चाहता हूं कि क्या मैं भी इस बारे में सवाल पूछ सकता हूं ?

अध्यक्ष महोदय : जी, नहीं । एक अकेले आप ही नहीं बल्कि तीन, चार और लोगों ने भी इसके लिये मुझ से कहा है । सरदार कपूर सिंह ने भी मुझ आज लिखा है । उस दिन मधु लिमये साहब, सरदार कपूर सिंह के अलावा, दो तीन मेम्बर साहब और भी थे । श्री प्रकाशवीर शास्त्री का नाम भी था । उसमें

"Reported establishment of new Chinese check post near Barahoti."....

श्री मधु लिमये : चीनी सैनिकों के जमाव का जो सवाल पैदा हुआ है उससे पैदा हुई घबराहट का जिक्र किया गया है और इसलिए उससे सम्बन्धित है ।

अध्यक्ष महोदय : जब यह नोटिस मेरे पास आया था

"Reported establishment of new Chinese check post near Barahoti."

तो मैंने गवर्नमेंट से इस बारे में दरियाफ्त किया और उन्होंने जवाब दिया कि हमारे पास कोई ऐसी इत्तिला नहीं है और कोई भी चैकपोस्ट इस्टैब्लिश नहीं हुई तो उस पर मैंने उसे उस दिन नामंजूर किया था । यह दो अप्रैल की बात है । यह नये कंसट्रेशन की बाबत एक नया सवाल आया है :—

"Reported fresh posts set up by China in the Barahoti Section of Uttar Pradesh border and news about the feeling of insecurity caused by that among the rural people of that area."

अब इस नये सवाल में वह पिछला सवाल कैसे शामिल कर सकते हैं ? उसको तो मैंने 2 अप्रैल को नामंजूर कर दिया था । वह तो एक अलहदा सबजेक्ट था जिसकी बाबत मैंने गवर्नमेंट से पूछा था और उन्होंने कहा था कि हमारे पास कोई ऐसी चैकपोस्ट इस्टैब्लिश होने की सूचना नहीं है । इसलिए वह आपकी तो बिल्कुल अलहदा बात थी । मौजूदा सवाल में आपका नाम शामिल नहीं किया जा सकता है न ही मैंने सरदार कपूर सिंह और श्री प्रकाश वीर शास्त्री का नाम शामिल किया है ।

डा० राम मनोहर लोहिया : जो ज्यादा खबरदार रहते हैं उनको तो आपको पहले सुनना चाहिए था ।

Shri Kapur Singh (Ludhiana): Sir, may I make a submission about what the Government reported to you? On the 30th March or somewhere near about that, this point was raised in the Legislative Assembly at Lucknow and the State Government made a statement there on the floor of the House that a check post has been established and that consternation has been caused in the minds of the border people, but that this matter cannot be raised on the floor of the State Assembly because it concerns the Parliament and the Government of India. But the Government of India has reported to you that there is no such check post established by that time. Why is this kind of thing happening?

Mr. Speaker: That is a different thing. I shall find out. If that statement is not a correct one, I can take it up. First of all, I was telling the House why I disallowed the other notices. The facts given in those notices were quite distinct from this. Therefore, I had disallowed them. Whether those facts that were given were completely wrong is quite a different thing.

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, मेरी एक बात ज़रा सुन ली जाय ।

अध्यक्ष महोदय : नहीं, उनके नोटिस से वह अलग बात है ।

श्री मधु लिमये : उसी से सम्बद्ध है । कई बार मुझ को यह अनुभव हुआ है कि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आदि हम लोग देते हैं लेकिन उनको स्वीकार नहीं किया जाता है । इस का मैं एक उदाहरण देता हूं । चीन के अध्यक्ष ने सिक्किम को जो सीधा संदेश भेजा था उसके बारे में मैंने एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का नोटिस दिया था जोकि अस्वीकार कर दिया था । लेकिन आज उसी के बारे में विदेश मंत्रालय की ओर से एक बयान आया है । अगर आपने तभी उस को स्वीकार कर लिया होता तो सारी चीज़ तभी सामने आ सकती थी । इस तरीक़े की कई घटनाएं विदेश नीति और सुरक्षा नीति को लेकर हो रही हैं लेकिन आप हमारे सुझावों को मानते नहीं हैं ।

अध्यक्ष महोदय : अब इस सदन में कौलिंग अटैंशन को क्वैश्चंस से भी कुछ ज्यादा आसान बना दिया गया है । क्वैश्चन में भी एक लिमिट है कि उसके तीन क्वैश्चंस आ सकते हैं बाक़ी मिला कर जो रूल्स हैं उसमें पांच से ज्यादा नहीं आ सकते हैं यह हमने मंजूर किया हुआ है लेकिन यहां एक, एक मेम्बर के 10, 10 कौलिंग अटैंशन नोटिस मेरे सामने मुबह पेश हो जाते हैं . .

श्री मधु लिमये : घटनाएं ही इतनी अधिक होती हैं । हम क्या करें ?

अध्यक्ष महोदय : मुझे भी बतलाइये कि मैं भी क्या करूं ? कम से कम मेम्बर जो एक हो उसके मन में तो यकीन होना चाहिए कि चंकि एक दिन में एक ही नोटिस आ सकता है, एक से ज्यादा नहीं लिया जा सकता है इसलिए मैं इस तरह के नोटिस देते वक्त एक ही नोटिस पर जोर दूं कि इसको लिया जाना मेरे लिए सबसे ज्यादा ज़रूरी है । अगर माननीय सदस्य चाहते हैं कि इस पर और ज्यादा ध्यान दिया जाय तो कम से कम एक पार्टी ज्यादा से ज्यादा एक ही नोटिस भेजे . . .

श्री मधु लिमये : यह तो घटनाओं पर निर्भर करेगा ।

Shri Surendranath Dwivedy (Kendrapara): When situations arise it is very difficult for the party to limit the number.

Mr. Speaker: If it is difficult, then I get 40, 50 and 60 calling attention notices.

डा० राम मनोहर लोहिया : ऐसा कर सकते हैं कि एक दल की तरफ़ से ज्यादा से ज्यादा आप कह दीजिये कि दो या तीन नोटिस ले लिये जांय । एक ख़तरा यह भी रहता है कि बाकी सब ख़त्म हो जायं तो एक दल के लोग हैं उनकी तरफ से तीन से ज्यादा न हों उस पर मैं आप का ध्यान दिलाऊं कि कुछ लोग ज्यादा ख़बरदार होते हैं, खबरों पर ज्यादा ध्यान देते हैं और पहले से आपको उस पर बहस कराने के लिए नोटिस देते हैं लेकिन उस वक्त वह सरकार को मान्य नहीं होते हैं बाद में सरकार मानती है । हम लोग 20–22 दिन पहले से आप को इस बात से आगाह कर रहे थे लेकिन सरकार नहीं मान रही थी

अध्यक्ष महोदय : वह बिल्कुल अलहदा चीज़ है ।

डा० राम मनोहर लोहिया : बाराहोती छोटी और बड़ी सरकार की लापरवाही से चीनियों के हाथ में चली गई । बद्रीनाथ का वह रास्ता है । बद्रीनाथ बिल्कुल पास है । अब यह चीज़ सरकार के सामने न आये तो आख़िर में क्या होता है कि वह सब विवादग्रस्त क्षेत्र बन जाता है । 11 साल से मामला चल रहा है । यह चीज़ आप के सामने लाने की हमने कोशिश की थी । सिर्फ इसलिए कि हम 20 दिन पहले थे हम को सज़ा दी जाय यह ठीक बात नहीं है बल्कि हमारी तरफ तो आपको सबसे पहले ध्यान देना चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय : वह मैंने पढ़ कर सुना दिया कि वह बिल्कुल अलहदा सबजैक्ट था ।

श्री मधु लिमये : अभी सुरक्षा मंत्री ने बतलाया कि बाराहोती को ले कर घबराहट . . .

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने कहा कि कोई घबराहट नहीं है ।

श्री ओंकार लाल बरवा : मेरा भी एक कौलिंग अटेंशन नोटिस था कि .

अध्यक्ष महोदय : अब मैं एक, एक कौलिंग अटशन नोटिस को नहीं ले सकता हूं ।

श्री गुलशन (भटिंडा) : अध्यक्ष महोदय, मैंने दस, बारह दस्तख़तों के साथ कौलिंग अटैंशन नोटिस दिया था जिसमें कि यह कहा गया था कि सरकार ने सिक्खों के साथ जो वायदे किये थे उनको पूरा नहीं किया है, मसलन् रीजनल फारमूला और पंजाबी ज़बान का मसला । इसके अलावा लुधियाना में .

अध्यक्ष महोदय : यह एक, एक कौलिंग अटैंशन नोटिस में किस तरह ले सकता हूं ?

श्री गुलशन : सिक्ख धर्म ख़तरे में पड़ गया है ।

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपको इत्तिला दे दी है अब आप बैठ जांय ।

श्री गुलशन : वहां लुधियाना में गुरू ग्रंथ साहब का पाठ खंडित हुआ और दुराहा मंडी में गुरू ग्रंथ साहब की भीड़ को साड़ दिया . .

अध्यक्ष महोदय : मेरे मना करने के बावजूद आपका बोलते जाना मुनासिब नहीं है ।

श्री गुलशन : मैं बैठ जाऊंगा लेकिन मुझे कुछ कहने का मौक़ा तो दिया जाय ।

अध्यक्ष महोदय : कुछ नहीं कहने दूंगा ।

श्री गुलशन : अगर बोलने नहीं दिया जायगा तो मैं चला जाऊंगा लेकिन आप ही सोचिये कि अगर मैं कह कर न जाऊं तो आपको कैसे पता चलेगा और हाउस को कैसे पता चलेगा कि सिक्खों के साथ कैसी बेइंसाफ़ी हो रही है ?

Mr. Speaker: Order, order.

Shri Ranga: He may be allowed to have his say.

Mr. Speaker: If I allow everybody to raise his Calling Attention Notice here after I have disallowed them, how can I work here, and what amount of time would be spent on them here?

Shri Ranga: Sometimes the difficulty arises in this way. When some hon. Member wants to make some representation, you misunderstand it and you presume that he is making some disturbance with the result there is trouble.

Mr. Speaker: How can a representation be made here by raising that question?

श्री गुलशन : अध्यक्ष महोदय, लुधियाना में गुरू ग्रंथ साहब की बे-अदबी हुई है। सिक्खों के केस कत्ल किये गए हैं। इस प्रकार धर्म ख़तरे में पड़ गया है। अगर आप मुझे इस के बारे में बात नहीं करने देते, तो मैं चला जाता हूं।

(Shri Gulshan left the House at this stage).

श्री रामेश्वरानन्द (करनाल) : **

अध्यक्ष महोदय : जो कुछ कहा जा रहा है, वह रिकार्ड पर नहीं जायेगा और न ही प्रेस वाले उस को लिखेंगे।

श्री बूटा सिंह (मोगा) : **

अध्यक्ष महोदय : यह रिकार्ड पर नहीं जायेगा।

श्री बूटा सिंह : अगर आप मुझे कुछ कहने की इजाजत नहीं देते हैं, तो मैं बाहर चला जाता हूं।

(Shri Buta Singh left the House at this stage).

श्री रामेश्वरानन्द : **

अध्यक्ष महोदय : यह रिकार्ड पर नहीं जायेगा।

Shri Jaipal Singh (Ranchi West): Sir, I hope I have not misunderstood you. You said that you would limit the Calling Attention Notices to. . .

श्री ओंकार लाल बेरवा : माननीय सदस्य अंग्रेजी में बोल रहे हैं, इसलिए इन को बोलने दिया जाता है, जब कि हिन्दी बोलने वालों को बैठने के लिए कहा जाता है। .

अध्यक्ष महोदय : क्या माननीय सदस्य कालिंग एटैन्शन नोटिस के बारे में कुछ कहना चाहते हैं ?

श्री जयपाल सिंह : जी, हां ; उसके सम्बन्ध में मुझे कुछ कहना है।

अध्यक्ष महोदय : नहीं, इस वक्त न उठाइये।

डा० राम मनोहर लोहिया: श्री जयपाल सिंह हिन्दी में बोल रहे हैं, उन को बोलने दीजिए।

श्री जयपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप कह चुके हैं कि हर एक दल की ओर से एक प्रश्न किया जाये। You have said that the Calling Attention Notice should be limited to one from each party. I submit to you that I would not submit to this. I would request you not to do this. It would amount to curbing the right of every Member.

Mr. Speaker: I have not done it.

श्री रामेश्वरानन्द : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक निवेदन है, उसको आप सुन लें।

अध्यक्ष महोदय : जब कभी मैं एक्शन लेता हूं, तो ऐतराज़ किया जाता है। लेकिन मैं देखता हूं कि मैं कई मेम्बर साहबान को बार-बार मना करता हूं और वे फिर भी बार-बार उठते रहते हैं। स्वामी जी को मैंने कई बार कहा है। अगर वह फिर उठेंगे, तो मुझे एक्शन लेना पड़ेगा। अब वह ख़ामोशी से बैठ जायें।

श्री रामेश्वरानन्द : मैं आप के व्यवहार के प्रति विरोध में सदन-त्याग करता हूं।

(Shri Rameshwaranand then left the House).

**Not recorded.